P-981

Total Pages : 4 Roll No. .....

LM-107

Judicial Process
न्यायिक प्रक्रिया

Master of Law (LLM)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

Note : This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates should limit their answer to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

SECTION–A/(खण्ड-क)
(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains Five (05) long answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any Two (02) questions only.

(2×19=38)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What do you understand by the concept of judicial process; discuss its relation with social ordering.

न्यायिक प्रक्रिया की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? सामाजिक व्यवस्था के साथ इसके संबंध पर चर्चा कीजिए।

2. What is meant by Precedents? Discuss the Importance of Precedents in Common law systems.

पूर्व निर्णय का क्या अभिप्राय है? सामान्य विधि व्यवस्था में पूर्व निर्णय के महत्त्व पर चर्चा करें।

3. Explain the meaning of judicial review. Describe the role of judicial review in constitutional adjudication.

न्यायिक पुनर्विलोकन का अर्थ स्पष्ट कीजिए। संवैधानिक निर्णय में न्यायिक पुनर्विलोकन की भूमिका का वर्णन कीजिए।

4. Discuss the reasoning of the concept of the term "Rule of Law" in the light of the case Menka Gandhi vs. Union of India.

मेनका गांधी बनाम भारत संघ मामले के आलोक में विधि का शासन शब्द की अवधारणा के तर्क पर चर्चा करें।

5. What do you understand by the concept of "Equivalence Theories of law and justice?"

"विधि और न्याय के तुल्यता" सिद्धांतों की अवधारणा से आप क्या समझते हैं?

SECTION–B/(खण्ड-ख)

(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains Eight (08) short answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only. (4×8=32)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What do you meant by judicial activism?

न्यायिक सक्रियता से आप क्या समझते हैं?

2. Discuss the role of judicial process in Indian Judiciary as an instrument of social ordering.

सामाजिक व्यवस्था के एक उपकरण के रूप में भारतीय न्यायपालिका में न्यायिक प्रक्रिया की भूमिका की चर्चा कीजिए।

3. Write a comment on separation of power.

शक्ति पृथक्करण पर टिप्पणी लिखिए।

4. Discuss the relationship between law and justice.

विधि और न्याय के बीच संबंध की चर्चा कीजिए।

5. Discuss the role of Public Interest Litigation in delivering justice.

न्याय प्रदान करने में जनहित याचिका की भूमिका की चर्चा कीजिए।

6. How laws are framed through judicial decisions? Explain.

न्यायिक निर्णयों के माध्यम से विधि कैसे बनती है? व्याख्या कीजिए।

7. Write a comment on Independence of judiciary in India.

भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर एक टिप्पणी लिखिए।

8. Discuss the theories of judicial role.

न्यायिक भूमिका के सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।